

केंद्र सभी गाँवों को बजिली आपूर्तकी गारंटी नहीं दे सकता

चर्चा में क्यों?

बजिली मंत्रालय के संयुक्त सचिव अरुण कुमार वर्मा ने हाल ही में कहा है कि बजिली ग्रिड से सभी घरों और गाँवों को जोड़ने या बजिली के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करने की ज़िम्मेदारी केंद्र की है। बजिली आपूर्तकी गारंटी नहीं दी जा सकती। वास्तविक आपूर्तकी ज़िम्मेदारी प्रत्येक राज्य में बजिली वितरण कंपनियों की है। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने देश भर के सभी गाँवों में 100% तथा सभी घरों में 83% वदियुतीकरण का दावा किया है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि साल के अंत तक सभी घरों में वदियुतीकरण कर लिया जाएगा।

दावों में वसिंगतियाँ

- हालाँकि एक स्वतंत्र संस्था द्वारा किये गए विश्लेषण में वदियुतीकरण की वास्तविक स्थिति और कागज़ी स्थिति के बीच कई वसिंगतियाँ पाई गई हैं।
- कुछ मामलों में केबल्स और ट्रांसफार्मर जैसे इलेक्ट्रिकिफिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को इंस्टॉल किये जाने के कुछ दिनों बाद ही चुरा लिया गया था, जिससे लक्ष्य गाँवों में वदियुतीकरण नहीं हो पाया लेकिन सरकारी आँकड़ों में उन्हें वदियुतकृत दिखाया गया है।
- साथ ही अधिकांश जगहों पर दिनों में केवल कुछ घंटों के लिये ही बजिली की आपूर्तकी जाती है।
- संयुक्त सचिव ने कहा कि हर गाँव में जाना और यह जाँच करना हमारा काम नहीं है कि वहाँ बुनियादी ढाँचा है या नहीं अथवा बजिली की आपूर्तकी हो रही है या नहीं।
- उन्होंने कहा कि इसे राज्य सरकारों और वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) द्वारा किया जाना है। लेकिन हमें पता है कि बजिली तक पहुँच का मतलब नरितर आपूर्तकी है।
- उन्होंने कहा कि हम मार्च 2019 तक समयसीमा के भीतर 24x7 के आधार पर वदियुत आपूर्तकी के लक्ष्य को पूरा करने के लिये संकल्पित हैं।

भारी बजिली कटौती

- बजिली अधिशेष राष्ट्र के रूप में भारत की प्रतिबद्धता के बावजूद देश के लगभग सभी राज्य बजिली कटौती की समस्या से जूझ रहे हैं, खासकर चरम गर्मी के दौरान।
- बजिली क्षेत्र के विश्लेषकों के मुताबिक यह इसलिये है क्योंकि सभी राज्यों के डिस्कॉम अभी भी बहुत अपरभावी हैं, क्योंकि वे ट्रांसमिशन लागतों के मुकाबले ज़्यादा राजस्व कमाते हैं।
- हालाँकि, वदियुत मंत्रालय ने दावा किया है कि उज्ज्वल डिस्कॉम एशयोरेंस स्कीम (UDAY) के तहत स्थिति में तेज़ी से सुधार हो रहा है।
- वदियुत मंत्री आरके सहि ने हाल ही में कहा है कि 2017-18 में पछिले वर्ष की तुलना में 51,096 करोड़ रुपए नुकसान जबर्दस्त रूप से घटकर 17,352 करोड़ रुपए हो गया है।

बहुत कुछ हासिल किया जाना अभी शेष है

- हालाँकि, वदियुत क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि डिस्कॉम के प्रदर्शन में सुधार हो रहा है, फरि भी वे 24x7 आधार पर आपूर्तकी के लिये सक्षम नहीं हैं।
- कई डिस्कॉम दो कारणों से 24x7 आधार पर वदियुत प्रदान करने के लिये तैयार नहीं हैं। पहला, उनमें से अधिकतर ऐसा करने में वतितीय रूप से सक्षम नहीं हैं। दूसरा, केवल कुछ ही डिस्कॉम में नरितरता के आधार पर अच्छी गुणवत्ता वाली बजिली की आपूर्तकी करने के लिये आधारभूत संरचना मौजूद है।
- लेकिन यदि संबंधित राज्य सरकारें डिस्कॉम को वतितीय सहायता और आश्वासन देना जारी रखती हैं, तो यह वदियुत आपूर्तकी में नशिचति रूप से सुधार ला सकती है।